वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 173 | शुक्रवार 20 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रियायती दरों के पट्टों पर निर्वाचन विभाग की रोक

राजस्थान की निकायों में 60 हजार से ज्यादा पट्टे अटके, आयोग ने नहीं दी अनुमति

जयपुर. कासं

राजस्थान में गहलोत सरकार ने आवासों और भूखंड की लीज डीड (पट्टे) पर दी रियायत पर राज्य निर्वाचन विभाग ने रोक लगा दी है। विभाग के इस फैसले के बाद प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत मिलने वाले रियायती या निशुल्क पट्टों पर रोक लगा दी है। इस निर्णय से अब पूरे प्रदेश की 200 से ज्यादा नगरीय निकायों में 60 हजार से ज्यादा पट्टे रुक गए है। दरअसल, राज्य सरकार ने साल 2 अक्टूबर 2021 से आमजन को राहत देते हुए रियायती दरों पर पट्टे देने के लिए प्रशासन शहरों के संग अभियान की शुरूआत की थी। इस अभियान में लोगों को भूखण्डों और मकानों के पट्टों, नाम ट्रांसफर, उपविभाग समेत अन्य कामों के लिए रियायत दी गई। अभियान के तहत पूरे प्रदेश में सरकार ने 10 लाख पट्टे जारी करने का लक्ष्य रखा था। राज्य सरकार ने इस अभियान के तहत कृषि भूमि पर बसी कॉलोनियों के नियमन पर लगने वाली राशि पर छूट देने के साथ ही हाउसिंग बोर्ड के मकानों की बकाया किश्त जमा करवाने पर भी ब्याज-पेनल्टी में छूट दी थी।

विभाग से मांगा था मार्गदर्शन

चुनाव आचार संहिता लगाने प्रदेश की सभी नगरीय निकायों में काम लगभग रुक गया था। तब निकायों ने इस संबंध में नगरीय विकास विभाग और स्वायत्त शासन विभाग को पत्र

लिखकर मार्गदर्शन मांगा था, कि क्या पुराने आवेदन जो प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत आए हैं, उनका निस्तारण अभियान के तहत दी गई छूट के आधार पर करना है या सामान्य दरों के आधार पर। नगरीय विकास विभाग ने निर्वाचन विभाग को पत्र लिखकर इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा था, लेकिन आयोग ने इसे चुनाव आचार संहिता के दायरे में आने की बात कहते हुए रियायती दरों पर पट्टे जारी करने पर रोक लगा दी थी।

9 लाख से ज्यादा पट्टे जारी

स्वायत्त शासन विभाग और नगरीय विकास विभाग से जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक पूरे प्रदेश में सरकार ने इस अभियान के तहत सितंबर तक 9.25 लाख से ज्यादा पट्टे जारी किए है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में पूरे प्रदेशभर की 200 से ज्यादा नगरीय निकायों, यूआईटी, विकास प्राधिकरण में 60 हजार से ज्यादा आवेदन लंबित है, जिन पर निर्णय करने के लिए चुनाव आयोग से अनुमति लेनी थी।

पूंजीवाद-वैश्विकीकरण के युग में गांधीवाद के महत्व पर चर्चा

महारानी कॉलेज में हुआ शैक्षिक विचार मंच, प्रशांत कुमार बोले- वैश्वकीकरण को नकारना चाहिए

जयपुर. कासं। जयपुर के महारानी कॉलेज में गुरुवार को एक शैक्षिक विचार मंच आयोजित किया गया। इसमें पूंजीवाद और वैश्विकीकरण के युग में गांधीवाद के महत्व पर कुमार प्रशांत ने चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता गांधी शांति प्रतिष्ठान नई दिल्ली के चेयरमैन प्रशांत कुमार ने की। आयोजन की शुरूआत छात्राओं ने मुख्य अतिथि का स्वागत कर और दीप प्रज्वलित कर की। मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता प्रशांत कुमार को महारानी कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर नीमली सिंह ने सम्मानित किया। मुख्य अतिथि कुमार प्रशांत ने महात्मा गांधी के जीवन के बारे में बताया, जिनके अनुभवों ने उनको कैसे आकार दिया। उन्होंने समझाया कि कैसे वैश्विकीकरण और पूंजीवाद के प्रभाव को समझा जा सकता है। इजराइल और फिलिस्तीन के युद्ध पर बात करते हुए कुमार प्रशांत ने समझाया कि हर युद्ध का वैश्विक प्रभाव होता है और इससे लाभ उठाया जाता है। युद्ध को दो राष्ट्रों को युद्ध सामग्रियों की आपूर्ति द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। हमें व्यक्ति की सशक्तिकरण की आवश्यकता है, इसलिए वैश्विकीकरण को नकारना चाहिए। वह एक झूठ की तरह है, जो तेजी से फैला जा रहा है। जब हम कहते हैं कि यह वैश्विकीकरण है, तो इसमें सभी को शामिल होना चाहिए, लेकिन हम जानते हैं कि वैश्विक आदेश के नियम और विनियमन कुछ श्रेष्ठ राष्ट्रों द्वारा निर्धारित किए जाते हैं।

प्रदेश में डेंगू मरीज 9 हजार पारः 16 जिले ऐसे जहां 200 से ज्यादा केस

चिकित्साकर्मियों को बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश

जयपुर. कासं

प्रदेश में मच्छर के लार्वा को पनपने से रोकने में चिकित्सा विभाग पूरी तरह फेल साबित हो रहा है। जयपुर, अजमेर, उदयपुर, बीकानेर और कोटा जैसे बड़े-बड़े शहरों में जगह-जगह हो रहे निर्माण कार्यों, छात्रावासों में सर्वे और एंटीलार्वा गतिविधि नहीं होने से डेंगू के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। प्रदेश में अब तक 9 हजार केस आने पर विभाग भी हरकत में आ गया है। हालात ये है कि कोटा में लगातार ग्राफ बढ़ने के कारण जयपुर को पीछे छोड़ दिया है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने समीक्षा बैठक की, पुख्ता इंतेजाम करने को कहा

प्रदेश में 16 ऐसे जिले हैं, जहां पर 200-200 से ज्यादा मामले मिले हैं। लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) शुभ्रा सिंह ने गुरुवार को वीसी के जरिए आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को बीमारी पर काबू पाने के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने चिकित्साकर्मियों को

बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए हैं। शुभ्रा सिंह ने जिन जिलों में मौसमी बीमारियों के ज्यादा केस मिल रहे हैं, वहां स्थित नियंत्रण में आने तक संबंधित संयुक्त निदेशक का मुख्यालय उसी जिले में रहेगा।

256 महामण्डलीय श्री सिद्ध चक्र विधान में चढाए 64 अर्घ्य: गूंजे श्री जी के जयकारे

शनिवार को होगी पहली बार होगी दिव्यांगो की प्रस्तुति इंडियास गोट टैलेंट एवं अमेरिका गोट टैलेंट फेम। रविवार को आचार्य श्री का 53वाँ अवतरण दिवस मनाएंगे...

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर की हृदय स्थली भट्टारक जी की नसिया में चल रहे 256 महामंडलीय श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान के अंतर्गत गुरुवार को आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में सिद्धों की आराधना करते हुए मंडल पर जयकारों के बीच मंत्रोच्चार के साथ 64 अर्घ्य समर्पित किए गए। प्रातः कालीन अभिषेक, शांतिधारा, नित्य नियम पूजन के साथ विधान प्रारंभ हुआ। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में आचार्य सौरभ सागर ने कहा कि सिद्ध चक्र महामंडल विधान सब विधानो का राजा है। विधान में 64 अर्घ के माध्यम से 64 रिद्धि धारी मुनिराजो की वंदना की गई है, वर्तमान में मुनियों के पास ऋद्धि का अभाव है लेकिन उनके पास सिद्धि हो सकती है, मुनिराजो को यह ऋद्धियां तप,आराधना, संयम आदि से प्राप्त होती है, देव शास्त्र एवं गुरुओं का समागम मनुष्य पर्याय में मिलना अत्यंत सौभाग्य की बात है। जिनकी आराधना वंदना करने से सभी प्रकार के कष्टों का निवारण सम्भव है। आचार्य श्री द्वारा विधान के मध्य कोटीभट्ट श्रीपाल के चरित्र का वर्णन किया गया एवं सिद्ध चक्र महामंडल विधान की महिमा बताई गई। गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद ने बताया कि मंशापूर्ण भगवान

महावीर के चित्र के समक्ष राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, महामंत्री मनीष बैद, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा ने दीप प्रज्वलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया । इस मौके पर अशोक परनामी, संजय जैन, जिनेन्द्र गंगवाल जीतू, अनिल छाबड़ा,सुभाष बज, त्रिशला गोधा, दीपिका जैन कोटखावदा आदि ने आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के राजीव जैन गाजियाबाद, आलोक जैन तिजारिया,विनोद तिजारिया, कुशल ठोलिया, शिखर जैन सारसोप, चेतन जैन निमोडिया, मनीष बैद, सीमा जैन गाजियाबाद ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। अध्यक्ष आलोक जैन तिजारिया ने बताया कि सायंकालीन सत्र में शाम 6 बजे श्रीजी की एवं आचार्य सौरभ सागर महाराज की महामंगल आरती की गई। तत्पश्चात जैन भजनों पर महिलाओं द्वारा डांडिया नृत्य प्रस्तुत किये गये। गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद के मुताबिक शुक्रवार को सुबह 6.30 बजे नित्याभिषेक और शांतिधारा होगी। प्रातः 7.30 बजे से विधान पूजन प्रारंभ होगा एवं प्रातः 8.30 बजे आचार्य सौरभ सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगे। सायं कालीन सत्र में श्रीजी की मंगल आरती, गुरुदेव की आरती के साथ विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन एवं आनंद यात्रा का आयोजन होगा।

शनिवार को दिव्यांगो द्वारा पहली बार होगी भव्य प्रस्तुति

सौरभ सागर सेवा संस्थान एवं जीवन आशा परिवार गाजियाबाद द्वारा शनिवार को सायंकाल 6.30 बजे से मिराकल आन व्हीलचेयर का भव्य कार्यक्रम जयपुर में पहली बार प्रस्तुत किया जाएगा। इस कार्यक्रम में इंडियास गोट टैलेंट एवं अमेरिका गोट टैलेंट फेम की भव्य प्रस्तुति दी जाएगी।

रविवार को आचार्य सौरभ सागर महाराज का 53 वां अवतरण दिवस समारोह पर होगें कई परोपकार के आयोजन: भट्टारक जी की नसियां में चल रहे 10 दिवसीय महोत्सव के दौरान रविवार 22 अक्टूबर को आचार्य सौरभ सागर महाराज का 53 वाँ अवतरण दिवस मनाया जायेगा। जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालुगण जयपुर पहुंचेंगे और गुरुदेव का अवतरण दिवस मनाएंगे। समिति द्वारा इस मौके पर निर्धन लोगों को भोजन करवाया जायेगा, गरीब बच्चों को वस्त्र भेंट किए जायेगे साथ ही विभिन्न कार्यक्रम किए जाएंगे।

गुरूणी जैनमतिजीजी के जन्मदिवस पर सुशिष्या इन्दुप्रभाजी म.सा. वात्सल्यमूर्ति पद से अलंकृत

रूप रजत विहार में तप, त्याग व साधना के साथ मनाया गया श्रीजैनमतिजी म.सा. का 106वां जन्मदिवस

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। किसी भी साध्वीजी के लिए उनकी गुरूणी मैया के जन्मदिन पर इससे श्रेष्ठ उपहार नहीं हो सकता था कि जहां संघ-समाज गुरूणीजी का गुणानुवाद कर रहा वहीं संघ के आचार्य प्रवर द्वारा उनकी सुशिष्या को पदवी से अलंकृत करने के साथ आदर की चादर समर्पित की जाए। सोने पर सुहागा की अवधारणा साकार करता हुआ ये नजारा गुरूवार को शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार स्थानक में प्रस्तुत हुआ जहां मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. के 106वें जन्मदिवस के शुभ अवसर पर आयोजित गुणानुवाद समारोह में श्रमण संघीय आचार्य सम्राट डॉ. शिवमुनिजी म.सा. द्वारा यहां चातुर्मास कर रही उनकी सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. को वात्सल्यमूर्ति पद से अलंकृत करने की घोषणा की गई। चातुर्मास आयोजक श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने समारोह में इस बारे में आचार्यश्री से मिले मंगल संदेश का वाचन किया। जैसे ही इन्दुप्रभाजी म.सा. को वात्सल्यमूर्ति से अंलकृत करने की घोषणा हुई प्रवचन हॉल हर्ष-हर्ष, जय-जय ओर महासाध्वी इन्दुप्रभाजी की जय जैसे जयकारों से गूंजायमान हो उठा। आचार्यश्री द्वारा वात्सल्यमूर्ति पद की घोषणा से अलंकृत करने सम्बन्धी मंगल संदेश पत्र के साथ भिजवाई गई आदर की चादर श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा, मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया, संगठन मंत्री नवरतन बापना, उपाध्यक्ष वीरेन्द्रसिंह कोठारी, अनिल ढाबरिया, कोषाध्यक्ष गणपत कुमठ, बेंगलूरू से पधारे जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मनोज सोलंकी, पाली निवासी गौतमचंद दुग्गड़, सथाना निवासी लादूसिंहजी आदि ने महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. को समर्पित की। समर्पित करने से पूर्व आदर की चादर श्रावक-श्राविकाओं के मध्य घुमा उन्हें भी हाथ लगा इस कार्य में सहभागिता का सुअवसर दिया गया। इसके बाद केसरिया-केसरिया आज है म्हारों मन केसरिया की गूंज के बीच साध्वी मण्डल ने उन्हें ये चादर ओढ़ाई। समिति के अध्यक्ष सुकलेचाजी ने कहा कि 43 वर्ष से संयम साधना कर रहे पूज्य इन्दुप्रभाजी म.सा. को आचार्यश्री द्वारा वात्सल्यमूर्ति पद से अलंकृत करने से रूप रजत विहार में पहले ही चातुर्मास में चार चांद लग गए ओर ये हमेशा यादगार रहेगा।

निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर 21से 24 अक्टूबर तक

भंडारी अस्पताल गोपालपुरा टोंक रोड पर लगेगा शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन संघटना , पिंकसिटी एवं इंडिया प्रोजेक्ट इंक , अमेरिका द्वारा तृतीय निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर का आयोजन 21से 24 अक्टूबर तक जयपुर के प्रतिष्ठित भंडारी अस्पताल गोपालपुरा टोंक रोड पर किया जा रहा है । यहाँ बालक / बालिकाओं एवं छोटे बच्चों के कटे फटे होठों / तालू , चेहरे के वृण , पलकों की विकृति का निःशुल्क सर्जरी अमेरिकन डाक्टर्स कि टीम द्वारा की जाएगी। बीजेएस के सचिव यश बाफना ने बताया कि संस्था द्वारा 21 अक्टूबर तक रजिस्ट्रेशन इन नंबर 8946945897, 9887419675, 9314506187 पर किया जा सकता है। भर्ती मरीजों तथा उनके परिजन का निःशुल्क रहने एवं खाने की व्यवस्था भी की जाएगी।

अभावग्रस्त परिवारों की बेटीयों को किया शिक्षा सामग्री का वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोप फाउंडेशन शाखा अलवर द्वारा टहला तहसील अंतर्गत रामसिंह पुरा गांव में अभावग्रस्त परिवारों की बेटियों को शिक्षा सामग्री का वितरण की। बेटियों के उपयोगार्थ शिक्षा सामग्री का वितरण छात्राओं के अभिभावको को किया गया। जिससे बेटियों को पढ़ने में किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न नहीं हो । फाउंडेशन के निदेशक ने बताया कि जो परिवार आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं, उन परिवारों की बेटियां जो पढ़ने में असमर्थ हैं ,उन्हें हम पाठ्य पुस्तक उपलब्ध करा रहें हैं जिससे वह आगे की पढ़ाई निरंतर कर सके । बेटियां पढेगी तो आगे बढ़ेगी और राष्ट्र एवं राज्य का नाम रोशन करेंगी । हमारी संस्था का प्रयास हर बच्चे को एक नई राह दिखाना और क्षेत्र के विकास में योगदान करना रहेगा इस मौके पर फाउंडेशन के निदेशक आशीष टॉक एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर महेंद्र,बबली, रोहिताश शर्मा,रमेश सैनी, रमेश मीणा,विश्राम मीणा, अमित शर्मा, नागराज शर्मा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

वेद ज्ञान

वास्तविक धर्म

इन दिनों धर्म शब्द की गलत व्याख्या कर अनेक लोग इसे सांप्रदायिकता से जोड़कर देखते हैं। गीता में भगवान ने धर्म का तात्पर्य मानवता के प्रति मनुष्य के कर्तव्यों को बताया है। पूरा संसार ब्रह्मांड का हिस्सा है और पूरे ब्रह्मांड में परम ब्रह्म कण-कण में समाया हुआ है। इसका तात्पर्य है कि हर जीव और निर्जीव में एक ही ब्रह्म है। इसीलिए रामचरितमानस में भी कहा गया प्रभु व्यापक और सर्वत्र व्याप्त है। इसीलिए यदि हम सब एक ही ब्रह्म के अंश हैं, तो फिर हम सब एक हैं। फिर कौन अपना कौन पराया। इसीलिए धर्म का असली तात्पर्य है कि बिना स्वार्थ के ऐसे कार्य करना, जिससे सब जीवों का कल्याण हो और ब्रह्मांड के महत्वपूर्ण भाग प्रकृति की भी रक्षा हो। आज के युग में भौतिकता के ज्यादा फैलने से मनुष्य स्वार्थ और मोह के कारण भ्रष्टाचार और अनैतिकता में लिप्त होता जा रहा है। जैसा कि महाभारत काल में कौरवों ने किया था। कौरव स्वार्थवश पांडवों का पूरा राज्य और उनकी पत्नी द्रोपदी को भी छीनना चाह रहे थे। ऐसे समय में भगवान ने धर्म की व्याख्या करते हुए अर्जुन को धर्म का असली अर्थ समझाते हुए कहा था। इस समय तुम्हारे पास शक्ति है और इस शक्ति का उपयोग करके इस समय तुम्हे मानवता के विरुद्ध आचरण करने वाले कौरवों और उनका साथ देने वाले अन्य लोगों को समाप्त करके धर्म की स्थापना करनी चाहिए। इसीलिए कुरूक्षेत्र को धर्म क्षेत्र भी कहा जाता है। हर युग में प्रत्येक मनुष्य को महाभारत जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और वह अर्जुन की तरह अवसाद से ग्रस्त होकर जीवनरूपी महाभारत से पलायन करना चाहता है, परंतु यदि उसे कृष्णरूपी सारथी मिल जाता है तो वह इस युद्ध में सफल हो जाता है अन्यथा वह या तो बुराई और भ्रष्टाचार रूपी कौरवों की सेना में मिल जाता है या विदुर की तरह वनरूपी गुमनामी की तरफ पलायन कर जाता है। भगवान के अनुसार पलायन करना कायरता है और इस कायरता के लिए उसके अंदर आत्मरूपी ब्रह्म उसे कभी क्षमा नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि यदि अर्जुन को भगवान पलायन करने देते तो क्या कौरवों रूपी बुराई संसार से मिट पाती। इसी प्रकार आज के अर्जुनों का भी कौरवों रूपी बुराई के विरुद्ध आज के महाभारत में युद्ध करना चाहिए।

संपादकीय

आम लोगों की मौत पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय

इजराइल पर हमास के हमले के बाद युद्ध की जटिल होती तस्वीर में अब गाजा पट्टी में जैसे हालात पैदा हो गए हैं, वह समूची दुनिया के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। विडंबना यह है कि युद्ध में शामिल सभी पक्ष बढ़-चढ़ कर दावा यही करते हैं कि वे इंसानियत को बचाने के लिए दुश्मन से लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन सच यह है कि किसी भी पक्ष के हमले में आम लोग मरते हैं और सबसे ज्यादा नुकसान मानवता को ही पहुंचता है। मंगलवार को गाजा पट्टी के एक अस्पताल पर जैसा हमला हुआ, उसकी आशंका किसी को नहीं थी, क्योंकि अस्पतालों को युद्ध के सबसे विकट समय में भी एक सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। गौरतलब है कि गाजा सिटी के अल-अहली अरब बैप्टिस्ट अस्पताल पर राकेट से हुए हमले में कम से कम पांच सौ लोगों के मारे जाने की खबर आई। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह हमला किसने किया, लेकिन जब इस मामले ने तूल पकड़ लिया, तब इजराइल ने इसमें अपना हाथ होने से इनकार किया और इसके लिए गाजा पट्टी में छिप कर वार कर रहे हमास को जिम्मेवार ठहराया। इससे पहले हमास और फिलिस्तीनी प्रशासन ने इस हमले का सीधा आरोप इजराइल पर लगाया था। सवाल है कि गाजा पट्टी में अस्पताल पर हुए हमले में पांच सौ से ज्यादा लोगों को क्यों मार डाला गया? उनका क्या दोष था? यह सवाल किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को परेशान करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि इस हमले में शामिल लोगों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। त्रासदी यह है कि इजराइल और हमास के बीच शुरू हुए ताजा टकराव के बाद दोनों पक्षों के हमले में आमतौर पर निर्दोष नागरिक ही मारे जा रहे हैं, लेकिन इसकी जिम्मेदारी लेने के लिए कोई तैयार नहीं है। अब तक इस जंग में लगभग पांच हजार लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन गाजा सिटी में अस्पताल पर हुए हमले ने सबको यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर युद्ध में शामिल सभी पक्षों का मकसद क्या होता है! इस हमले के बाद ये सवाल भी उठने लगे हैं कि क्या इसे युद्ध अपराधों की श्रेणी में रखा जाएगा! दरअसल, युद्ध अपराध एक संगीन आरोप माना जाता है और ऐसे मामलों में अंतरराष्ट्रीय कानून काम करता है। हालांकि इसकी जांच करना और वास्तविक अपराधियों को सजा दिलाना एक जटिल काम रहा है, फिर भी गाजा पट्टी में अस्पताल पर हमले के लिए जिसे भी जिम्मेदार माना जाएगा, उस पर अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध का आरोप लग सकता है। इजराइल पर हमास के हमले के बाद जारी युद्ध में दोनों पक्षों पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों को ताक पर रखने के आरोप लगे हैं और संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि वह इसकी जांच कर रहा है। छोटे विवाद से लेकर बड़े स्तर पर जंग की स्थिति में जेनेवा सम्मेलन के तहत न केवल अपने पक्ष के, बल्कि विरोधी सेनाओं के बीमारों, घायलों और कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार और उनके इलाज का नियम बनाया गया है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

रेवड़ी राजनीति...

पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही वहां आचार संहिता लागू हो चुकी है, ऐसे में लाजिमी है कि सत्ता की दौड़ में शामिल पार्टियां जनादेश मांगने से पहले राज्यवार अपने घोषणापत्र जारी करें और जनता को बताएं कि हुकूमत में आने पर उनकी प्राथमिकताएं क्या होंगी? यह एक स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। मगर हमारे देश में यह शानदार परंपरा भी अब विद्रूपता की शिकार होने लगी है। मंगलवार को कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश में अपना ''वचन पत्र'' (घोषणापत्र) जारी किया, जिसमें राज्य की जनता को 101 गारंटी दी गई हैं। इनमें रियायती दर पर रसोई गैस, सौ यूनिट मुफ्त बिजली, बेटियों की शादी पर एक लाख एक हजार रुपये, महिलाओं को प्रतिमाह पंद्रह सौ रुपये, छात्रों को नकद मदद जैसी कई घोषणाएं शामिल हैं। ऐसे में, तेलंगाना के लिए पार्टी के घोषणापत्र में एक तोले सोने के वायदे की अटकलों पर अविश्वास की वजह नजर नहीं आती, क्योंकि यह दक्षिण की सियासत के मुफीद भी है। तमिलनाडु समेत कई प्रदेशों में दशकों से मंगलसूत्र और साड़ी देने की योजना जारी ही है। जाहिर है, आलोचकों ने इसे चुनावी रेवड़ी बताने में कोई देरी नहीं लगाई। विडंबना यह है कि इस होड़ में तमाम पार्टियां शामिल हैं और मुफ्त बिजली, पानी, साइकिल, लैपटॉप, मोबाइल, मंगलसूत्र, स्कूटी की योजनाओं की सूची चुनाव-दर-चुनाव लंबी ही होती जा रही है। इसकी कीमत सार्वजनिक विकास की नीतियों को चुकानी पड़ती है, क्योंकि राज्यों की माली हालत बहुत अच्छी नहीं है। मध्य प्रदेश का ही उदाहरण लें, तो राज्य के वित्त विभाग के मुताबिक, मार्च 2022 तक इस पर 2.95 लाख करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ लद चुका था। ऐसे में, कल्पना कीजिए कि कोई भी नई रियायती या मुफ्त योजना की शुरूआत उसकी आर्थिक स्थिति को कितने दबाव में लाएगी? अफसोस की बात है कि आदर्श आर्थिक प्रबंधन किसी राजनीतिक पार्टी के एजेंडे में नहीं है! किसी भी लोक-कल्याणकारी राज्य का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वह हाशिये के लोगों के हित में योजनाएं बनाए, ताकि सशक्त होकर वे मुख्यधारा में शामिल हो सकें। आज के समय में, जब प्रौद्योगिकी इतनी उन्नत हो चुकी है कि लक्षित वर्ग को पहचानने और जरूरतमंदों तक सीधी सरकारी मदद पहुंचाने में संसाधनों के रिसाव का कोई जोखिम नहीं रह बचा है, तब राज्य का पूरा जोर वहनीय ढांचागत विकास पर होना चाहिए। देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र पर जो दबाव है, वह किसी से छिपा नहीं है। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र की सिमटती भूमिका तेजी के बढ़ते मध्यवर्ग के लिए आने वाले दिनों में बड़ा संकट खड़ी कर सकती है। आज के दौर में ही निजी क्षेत्र के उच्च शिक्षण संस्थान मध्यवर्ग की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। इसलिए, राजनीतिक दलों और सरकारों से यही अपेक्षा की जाएगी कि वे क्षणिक सियासी लाभ के बजाय दूरगामी हित की दूरदर्शिता दिखाएं! निस्संदेह, इसके लिए देश में चुनाव सुधार की दरकार है। आश्चर्य नहीं कि चुनावी रेवड़ियां बांटने की लगातार बढ़ती प्रवृत्ति के खिलाफ एक सामाजिक कार्यकर्ता की याचिका का सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है और इसी माह की शुरूआत में निर्वाचन आयोग, केंद्र सरकार व मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकारों से जवाब मांगा है।

कैकेई की हट ने दिलवाया राम को 14 वर्षों का वनवास

विराटनगर. शाबाश इंडिया

श्री रामलीला मैदान में श्री अवधेश कला केंद्र रामलीला मंडल के तत्वावधान में चल रही 15 दिवसीय रामलीला मंचन में बुधवार को राम वनवास की लीला दिखाई गई। इस दौरान महाराजा दशरथ ने अपने चौथेपन को देखते हुए श्री राम को राज सिंहासन पर बिठाने का विचार कर गुरु वशिष्ठ से आज्ञा ली, लेकिन राक्षसों के बढ़ते प्रभाव को देखकर विधाता ने कुटिल मंथरा की बुद्धि का हरण कर कैकेई को उकसाया गया। रानी कैकेई ने मंथरा की बातों में आकर कोप भवन में जाकर अपना स्वांग रचा। राजा को जब इस बात का मालूम चला तो उन्होंने रानी से इसका कारण पूछा। कैकेई ने मौका देखकर धाती के रूप में रखे हुए अपने दोनों वर मांग लिए, जिसमें पहली बार में भगवान श्री राम की जगह भरत का राजतिलक तथा दूसरे में भगवान श्री राम को 14 वर्षों का वनवास। इस बात को सुनकर राजा अत्यंत ही व्यतीत हुई है। परंतु अपने सूर्यकुल की आन को देखते हुए, दिए हुए वर से विचलित नहीं हुए। राजा ने रानी पर विश्वास कर बहुत ही पश्चाताप किया परंतु यह सब विधाता की लीला थी। इससे पूर्व दिन में भगवान राम सहित चारों भाइयों के विवाह की भव्य शोभायात्रा गाजे बाजे, घोड़ी और शाही लवाजमा के साथ निकाली गई। जिसके तहत गणगौरी चौक में वर माला का भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा कर आरती उतारी गई। शोभा यात्रा बस स्टैंड बगीची से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होती हुई रामलीला स्थल तक पहुंची। जिसमें मंडल के सदस्य तथा सैकड़ो महिलाओं सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

प्रतिकूल परिस्तिथियो में सकारात्मक सोच रखने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफलता प्राप्त करता है : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। प्रतिकूल और अनूकूल परिस्तिथियो में तटस्थ रहने वाला व्यक्ति ही सफलता को प्राप्त करता है। गुरूवार साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने श्रोताओं को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में निराशा एवं प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना ही पड़ता है,लेकिन सफल और सार्थक जीवन वही है,जो सफलता और असफलता अनुकूलता और प्रतिकूलता,दुख और सुख,हर्ष और विषाद के बीच संतुलन स्थापित करते हुए अपने चिंतन की धारा को सकारात्मक बनाए रखता है तो वह जीवन की समग्र समस्याओं का व्यक्ति चिंतन और मनन के द्वारा समाधान खोज सकता है। विषम परिस्थितियों मे जीवन मे कृष्ट आ जाने के बावजूद ऐसा व्यक्ति हिम्मत नहीं हार है और वह सफलता प्राप्त करता है। मनुष्य की आत्म शक्ति कमजोर नही है और इच्छा शक्ति संकल्प और दृष्टिकोण सही है तो मनुष्य जीवन मे विपरीत और कठिन समय को भी वह सही समय मे बदल सकता है।साध्वी स्नेहप्रभा ने साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्ताराध्यय सूत्र के दुसरें अध्याय बीयं अज्झयणं परीससह पविभत्ती पाठ का वांचन करते हुए कहा कि सुख और दु:ख जीवन मे धूप छांव की तरह है। आज दु:ख है तो कल सुख है कर्मो के आधार पर जीवन मे सुख दुख आते है जीवन में कृष्ट आने बावजूद जो.व्यक्ति चलायमान नहीं होता है वही इंसान परिक्रत बन जाता है और फर्श से शिखर को छूता है। साहुकारपेट श्री संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया की अनेक भाई और बहनों ने साध्वी वृंद से तप त्याग आदि के प्रत्याख्यान लिए। तपस्या के प्रत्याख्यान लेने वालो और धर्मसभा मे पधारे मदनलाल लोढ़ा एवं अन्य अतिथियों का श्री एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी मंत्री सज्जनराज सुराणा, शम्भूसिंह कावड़िया पृथ्वीराज वागरेचा, जंवरीलाल कटारिया,पृथ्वीराज नाहर,दीपचन्द कोठारी आदि सभी ने तपस्यार्थी और अतिथियों का स्वागत किया।

देश के पूर्व गृह मंत्री श्री सेठी की 103 वी जन्म जयंती पर याद किया

भारतीय राजनीति में ईमानदारी, कर्मठता, कुशल प्रशासक के रूप में हमेशा याद किए जाएंगे

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। भारतीय राजनीति में निष्ठा, समर्पण व ईमानदार राजनीति के शशक्त हस्ताक्षर रहे देश के पूर्व गृह मंत्री व मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रकाशचन्द जी सेठी की 103 वी जन्मजयंती पर शहर कांग्रेस कमेटी, सेठी विचार मंच एवम दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद जैन राजनैतिक चेतना मंच के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि संयुक्त रूप से सेठी हॉस्पिटल स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्री सेठी के कार्यों को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा की सेठी जी ने अपना पूरा जीवन जन सेवा में ईमानदारी के साथ समर्पित किया। उनका लंबा राजनीतिक सफर अंतिम समय तक नैतिक मूल्यों, स्वच्छ राजनीति और आदर्शों पर कायम रहा। नेहरू मंत्रिमंडल से ले कर राजीव गांधी के मंत्रिमंडल तक अनेकों उच्च पदों पर रहकर भी अपने आपको ईमानदार बनाए रखा। काजल की कोठरी में भी अंत तक श्वेत रहे। देश में उनकी ईमानदारी की मिसाल स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हे। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक पाटनी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्डा, राजा मंदवानी, दिलीप राजपाल, महेंद्र रघुवंशी, संजय जैन, संजय बाकलीवाल, मनीष अजमेरा, सुरेश मिंडा, चंदू अग्रवाल, जोहर मानपुरवाला, आनंद कासलीवाल, इश्तेहाक सोलंकी, कैलाश वेद, निर्मल कासलीवाल, ईश्वर जी, सुरेंद्र बाकलीवाल, नेम लुहाड़िया, सुशील गोधा, शेलू सेन, जिनेन्द्र सेठी, कैलाश अजमेरा, संजय सेठी, जेनेश झांझरी, जगदीश जामडेकर, हेमंत जैन, मुकेश सचदेव, सत्यनारायण सलवाडिया, अजय सितलानी, तेजप्रकाश राणे, चेतन गंगवाल, वीरेंद्र बड़जात्या, सुनील शाह, देवेंद्र सेठी, मनीष मोदी, प्रकाश बड़जात्या, हर्ष गोधा, पिंकेश टोंग्या, सुखदेव खड़बड़ीकर, राजेश जैन, नीरज जैन, मयंक जैन, गोपाल दरियानी, अशोक नालिया आदि उपस्थित थे।

आराधना बनाती है आराध्यः गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। भारत गौरव आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी पर दस दिवसीय महार्चना एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान का महाआयोजन बड़े ही भक्ति - भावों के सम्पन्न हो रहा है । आज शांतिनाथ भगवान की अखण्ड शान्तिधारा करने का सौभाग्य दिनेश जैन देवली, कुलदीप कासलीवाल चित्रकूट कॉलोनी जयपुर एवं विनोद कासलीवाल गायत्री नगर जयपुर वालों को प्राप्त हुआ। साजों - बाजों के साथ श्री श्री आदिनाथ महार्चना कराने का सौभाग्य ताराचन्द जैन मालपुरा वालों ने प्राप्त किया। गुरुवार के दिन आदिनाथ भगवान की भक्ति का विशेष महत्व होता है। गुरु माँ के श्री चरणों के पाद - प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य आज के चातुर्मास कर्त्ता परिवार ने किया। ततपश्चात गुरु माँ में आराधना का फल बताते हुए कहा कि-भगवान की आराधना ही आराध्य बनाती है। बिना आराधना किये कोई भी आराध्य नहीं बन सकता । आराधना के आधार से ही आदमी आराध्य पद को प्राप्त कर सकता है।

आर्ट ऑफ लिविंग जयपुर परिवार द्वारा भावपूर्ण सत्संग का अयोजन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। नवरात्रि के पावन अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग जयपुर परिवार की ओर से 18 अक्टूबर को राधा गोविंद मंदिर,महेश नगर में भावपूर्ण सत्संग का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग के प्रसिद्ध भजन गायक और प्रशिक्षक डॉ.सौरभ शेखावत ने अपनी सुमधुर भजनों की लय से सभी देवी भक्तों को आनंदित किया। नवरात्रि में सत्संग का हिस्सा बनकर जयपुर वासियों को बेहद प्रसन्नता हुई और सभी ने आर्ट ऑफ लिविंग के सत्संग को खूब सराहा। नवरात्रि के पावन अवसर पर जयपुरवासियों के लिए आर्ट ऑफ लिविंग के वैदिक धर्म संस्थान ,राजस्थान की ओर से 20 से 22 अक्टूबर तक श्री श्री रविशंकर आश्रम, जयपुर में विभिन्न सामूहिक कार्यक्रमों का अयोजन किया गया है। कार्यक्रमों की श्रृंखला के अनुसार शुक्रवार 20 अक्टूबर 2023 को महागणपति होम, नवग्रह होम, महासुदर्शन होम एवं वास्तु होम का अयोजन होगा । शनिवार 21 अक्टूबर 2023 को महारुद्र पूजा, महारुद्र होम श्री चण्डी कलश स्थापना एवं श्री सप्तशती परायण और रविवार 22 अक्टूबर 2023 को श्री चण्डी होम एवं महापूर्णाहूति का अयोजन किया जाएगा ।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक सभा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक सभा टोंक रोड पर स्थित होटल विमल विला में सम्पन्न हुई। जिसमे लगभग सभी सदस्याओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सभा में संस्था द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत किये गए सेवा कार्यों के बारे में जानकारी दी गई तथा आगामी माह (दीवाली) में किये जाने वाले सेवा कार्यों के बारे में चर्चा की गई। चार्टर डे व गवर्नर के क्लब विजिट सम्बन्ध में भी चर्चा की गई। अंत मे सभी ने डांडिया नृत्य कर सभा का समापन किया।

ज्ञानतीर्थ पर होगा आदिनाथ भगवान का महा मस्तकाभिषेक

22 अक्टूबर को होगा वार्षिक मेले का आयोजन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। ज्ञानतीर्थ क्षेत्र जैन मंदिर में रविवार 22 अक्टूबर को वार्षिक मेले के अवसर पर श्री 1008 भगवान आदिनाथ का महामस्तकाभिषेक किया जायेगा। आचार्यश्री ज्ञानसागर महाराज की प्रेरणा एवम आशीर्वाद से ए बी रोड हाइवे पर निर्मित ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर में चतुर्मासरत आचार्य श्री ज्ञेयसागर महाराज, मुनिश्री ज्ञातसागर महाराज, मुनिश्री नियोगसागर महाराज, क्षुल्लक श्री सहजसागर महाराज के पावन सान्निध्य में भगवान आदिनाथ का स्वर्ण व रजत कलशों से जलाभिषेक किया जायेगा। क्षेत्र पर विराजमान ब्रह्मचारिणी बहिन अनीता दीदी ने जानकारी देते हुए बताया कि वार्षिक मेले एवम महा मस्तकाभिषेक महोत्सव के अवसर पर रविवार 22 अक्टूबर को प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के साथ भगवान आदिनाथ का विशेष रूप से पूजन किया जायेगा । दोपहर 02 बजे मंगलाचरण के साथ भक्तामर दीप अर्चना, शाम 04 बजे पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री ज्ञेयसागर महाराज के मंगल प्रवचन एवम 04.30 बजे ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर विराजमान बड़े बाबा श्री आदिनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक होगा। महोत्सव की समस्त धार्मिक क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य संजय शास्त्री सिहोनियां संपन्न कराएंगे। महोत्सव में सविता दीदी, रेखा दीदी, मंजुला दीदी, सरिता दीदी, ललिता दीदी का निर्देशन प्राप्त होगा। बालक बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जायेगें, साथ ही मनीष एंड पार्टी द्वारा संगीत की मधुर लहरी के साथ जिनेन्द्र प्रभु की भक्ति एवम भजनों की प्रस्तुति भी होगी । उक्त महोत्सव के संयोजक निर्मल जैन भंडारी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार ज्ञानज्ञेय वर्षयोग समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में ज्ञानतीर्थ आवागमन हेतु गोपीनाथ की पुलिया एवम नसियां जी जैन मंदिर मुरेना से वाहन व्यवस्था उपलब्ध रहेगी । महोत्सव में सम्मिलित होने वाले सभी महानुभावों के स्वल्पाहार एवम भोजनादि की समुचित व्यवस्था की गई है। ज्ञानतीर्थ परिवार की ओर से योगेश जैन खतोली, रूपेश जैन चांदी वाले, जिनेश जैन कालू, विजय जैन मंत्री ने सभी साधर्मी बंधुओं से अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अपील की है ।

एकीभाव स्तोत्र विधान की भक्ति भाव से आराधना

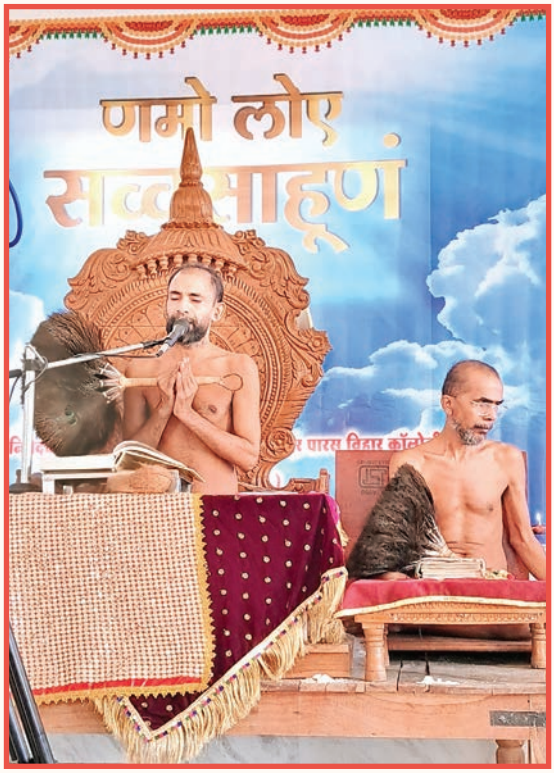

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया। नगर के 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्वर जैन मंदिर पारस विहार कॉलोनी टीकमगढ़ मे परम पूज्य तपस्वी रत्न वात्सल्यमूर्ति श्रमणोपाध्याय श्री विकसंत सागर जी महाराज के ससंघ मंगल पावन सानिध्य मे 1008 एकीभाव स्तोत्र विधान का आयोजन बड़े ही भक्ति भाव से किया गया। प्रतिदिन प्रातः कालीन, नित्य नियम सामूहिक अभिषेक, शांतिधारा करने का मंगल सौभाग्य श्रीमती अंगूरी जैन वीरेन्द्र सापोन, श्रीमति वैशाली जैन अमन सापोन को प्राप्त हुआ। शांतिधारा पूज्य गुरुदेव के मुखारविंद द्वारा कराई गई तत्पश्चात श्री 1008 एकीभाव विधान का आयोजन बड़े ही भक्ति भाव से किया गया। मुनिश्री ने भक्तो को सम्बोधित करते हुये कहां श्रीपाल को कुष्ठ रोग क्यों हुआ था आपको पता है? श्रीपाल ने पूर्व पर्याय में मुनिराज का अनादर किया था तथा 700 साथियों ने उसकी अनुमोदन की थी उसे कर्म का फल श्रीपाल सहित 700 साथियों को कुष्ठ रोग हो गया था पुण्य कर्म किया तो सभी का कुष्ठ रोग दूर हो गया। कर्म ने दुःख दिया ऐसा कभी मत कहना तूने अशुभ कर्म किये थे उसी का उदय आया है। यदि तूने शुभ कर्म किये होते तो तुझे ये कर्म दुःख नहीं देते। अतः मेरे द्वारा किये गये कर्मों का ही ये फल है ऐसा चिंतावन करके समता से कष्टों को सहना तो तेरे पूर्व कृत कर्मों की निर्जरा हो जाएगी तथा नवीन कर्मबंध नहीं होगा यदि तूने संकलेश्ता की,या अशुभ परिणाम किये तो पूर्व कृत कर्मों का फल तो भोग ही रहा है तथा नवीन कर्मों का बंध करके भविष्य में उसका फल पुनः भोगेगा अतः कष्टों को समता से सहन करके पूर्व कर्मो क्षय करों। अंत में गुरुदेव ने कहा पाप कर्म के उदय में कूलों नहीं और पुण्य कर्म के उदय में फूलों नहीं दोनों में सम्भाव रखो क्योंकि न पाप कर्म शाश्वत है न ही पुण्य कर्म क्योंकि दोनों कर्म विनाशीक हैं। समस्त विधि विधान का कार्य ब्रह्मचारी भैया सागरमल जी एवं बा. ब्र. देशना दीदी के कुशल निर्देशन में किया गया। अनुराग जैन अकलंक जैन अंकुश जैन आशीष जैन अमित जैन कमलेश जैन विनोद जैन रियांक जैन अमन जैन आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

त्रिदिवसीय जिन सहस्त्रनाम महामंडल विधान आज से

लाडनूं. शाबाश इंडिया

लाडनूं निवासी कोलकाता प्रवासी वरिष्ठ उद्योगपति सुरेश कुमार, नरेश कुमार पुत्र रतनलाल, चंद्रकलादेवी सेठी परिवार द्वारा त्रिदिवसीय जिन सहस्त्रनाम महामंडल विधान आज (शुक्रवार) 21 से 23 अक्टूबर तक आयोजित होगा। आयोजनकर्ता सुरेश सेठी ने जानकारी देते हुए कहा कि अनुष्ठान का शुभारंभ घटयात्रा से होगा। घटयात्रा प्रातः 7:30 बजे दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से रवाना होकर जिन सहस्त्रनाम विधान स्थल पर जाएगी। तदोपरांत कार्यक्रम स्थल पर ध्वजारोहण, मंडप शुद्ध, जिन अभिषेक एवं शांतिधारा के उपरांत विधि विधान पूर्वक विधान का शुभारंभ किया जाएगा। नरेश सेठी ने बताया कि रात्रि में प्रतिदिन महाआरती का आयोजन संगीत एवं भक्तिमय किया जाएगा। वरिष्ठ सी.ए. महेंद्र पाटनी ने बताया कि इस अनुष्ठान का प्रतिष्ठापन देश के प्रख्यात प्रतिष्ठाचार्य डॉ आनंद शास्त्री कोलकाता की देख देख एवं निर्देशन में 0एवं प्रख्यात जैन संगीतकार रामकुमार जैन, भोपाल के मधुर गीतों के साथ आयोजित होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुष्ठान में देश के विविध महानगरों गुवाहाटी, कोलकाता, शिलांग, जयपुर, दिल्ली, कूच बिहार, डीमापुर आदि से तीनों दिन लगभग 500 लोग तथा स्थानीय जैन समाज के सम्मिलित होकर अनुष्ठान का हिस्सा बनेंगे।

प्रवासियों ने किया अभिषेक

गुरुवार को अनुष्ठान में सम्मिलित होने आए प्रवासियों ने जैन दिगंबर जैन बड़ा मंदिर के दर्शन कर भक्ति भाव के साथ प्रभु आराधना की। जिन अभिषेक कर धर्म लाभ लिया।

20' 21' 22 अक्टूबर को माता की विशेष अंतकरण आराधना

चित्रांकन: सतीश जैन अकेला

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री चन्द्र प्रभ दिगम्बर जैन मंदिर बरकत नगर अन्तर्गत णमोकार भवन में दिनांक 3 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक वृहद तीन लोक महामण्डल महाविधान का आयोजन परम पूज्य आचार्य श्री नवीननंदी जी मुनिराज के मार्गदर्शन एवं पावन सान्निध्य में हो रहा हैं । पूज्य मुनिराज पुण्य वर्धक वषायोग 2023 के क्रम में यहाँ विराजमान हैं। विधान संयोजक मुकेश जैन मित्तल के अनुसार विधान में अबतक लगभग तेरह हजार अर्घ समर्पित किए जा चुके हैं ' इसी के नवरात्री पर्व के मध्य 20, 21, 22 अक्टूबर को महादेवियों का विशेष श्रंगार अलंकरण पूजा संपादित कराई जाएगी जिसमें 21 को महामृत्युनजय विधान तथा 22 को रिषी मण्डल विधान का अति विशेष आयोजन होगा। पुण्य वर्धक वर्षायोग समिति एवं मंदिर प्रबन्ध कारिणी के अध्यक्ष ' मुख्य पुण्यार्जक चक्रेश कुमार जैन ने बताया कि नवरात्रा व तीन लोक महाविधान के आयोजन का 25 अक्टूबर को हवन तथा श्री जी की विशेष शोभा यात्रा के साथ समापन किया जाएगा। समापन के साथ ही उपस्थित स्थानीय समाज का वात्सल्य भोज का आयोजन भी रखा गया।

कृतिः जैन दर्शन में पञ्च. अणुव्रत एवं भारतीय दण्ड संहिता

प्रस्तुति : सतेन्द्र कुमार जैन
सम्पादन : डॉ. दर्शना जैन
संस्करण : प्रथम, जून 2011

प्रकाशक - धर्मोदय साहित्य प्रकाशन, सागर

प्रमुख कृति की प्रस्तावना संजय कुमार जैन, सिविल जज ने लिखी है। प्रस्तुत कृति का नाम जैन दर्शन में पञ्च-अणुव्रत एवं भारतीय दण्ड संहिता है। उक्त विषय नाम से ही अवगत होता है कि इसमें जैन दर्शन के सिद्धान्तों की तुलना भारतीय दण्ड संहिता से की हैं। इसमें व्रत का स्वरूप, अहिंसाणुव्रत एवं भारतीय दण्ड संहिता, सत्याणुव्रत एवं भारतीय दण्ड संहिता, अचौर्याणुव्रत एवं भारतीय दण्ड संहिता, ब्रह्मचर्याणुव्रत एवं भारतीय दण्ड संहिता, परिग्रह परिमाणाणुव्रत एवं भारतीय दण्ड संहिता अंत में परिशिष्ट है। इसे लेखक ने कहानियों के माध्यम से समझाया है संदर्भ ग्रंथ सूची 101 पृष्ट पर है। लेखक की उक्त पुस्तक पढकर ऐसा प्रतीत होता है कि लेखक ने भारतीय दण्ड संहिता का अध्ययन परिश्रम तथा लगन से किया, जिससे श्रम साध्य इस पुस्तक के यह कार्य संभव हो सका है इस पुस्तक के यह विचार पाठकों के जनमानस में स्थापित हो जाते हैं तो पञ्च-अणुव्रत रूप सिद्धान्तों के पालन से अनायास ही भारतीय दण्ड संहिता की वर्णित धाराओं का पालन कर लेगा। जैनदर्शन के कुछ सिद्धान्तों में भारतीय दण्ड संहिता के अतिरिक्त अधिनियम लगने पर उसका संकेत मात्र किया है जिसे पाठकगण दण्ड को अपनी बुद्धि अनुसार स्वरूप समझकर कानून के अधिवेता से परामर्श करें। जैसें परविवाहकरण में बालविवाह अधिनियम, कुशील में अनैतिक देह व्यापार अधिनियम, हिन्दू विवाह अधिनियम आदि कुछ अन्य अधिनियमों का संकेत रूप से नामोल्लेख है। भारतीय दण्ड संहिता की लगभग 80 प्रतिशत धाराएँ जैन दर्शन के सिद्धांत पर आधारित हैं, लेखक ने तत्त्वार्थसुत्र के तीव्रमंदज्ञाताज्ञातभावाधिकरणवीर्यविशेषभ्यस्तद्विशेषः सूत्र को भारतीय दण्ड संहिता की धाराओं के आधार पर टेबल बनाने का प्रशंसनीय प्रयास किया है। समाज में 95 से 99 प्रतिशत अपराध ऐसे हैं, जो जानकारी के अभाव में हो जाते हैं। इन अपराधों को कम करने के लिए अपराध संहिता का सहज ज्ञान इस पुस्तक के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। अपराध होने से पहले अपराध को रोकने का एक उपाय और भी है जिसका नाम अपराध के अथवा कानून के विषय में प्रत्येक नागरिक को शिक्षा प्रदान करना है। समाज में उपस्थित पाठकगण एवं सत्ताधीन शासक वर्ग को परामर्श रूप निवेदन है कि यदि कानून की शिक्षा कक्षा 6 से उच्च शिक्षा की प्रत्येक कक्षा में हिंदी और अंग्रेजी विषय की भाँति अनिवार्य विषय कर दिया जाए, तो व्यक्तियों को अपराध के विषय में जानकारी पर्याप्त मात्रा में हो सकती है। पुस्तक को पढ़ने के पश्चात पाठक तो अपराध से बच ही सकते हैं। यदि एक व्यक्ति भी बच जाता है, तो मैं लेखक की इस पुस्तक के लेखन को सफल समझूंगी।

पुस्तक समीक्षक-डॉ दर्शना जैन, जयपुर

जनकपुरी में जिन सहस्त्रनाम मण्डल विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में बालयोगिनी आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में जिन सहस्त्रनाम मण्डल विधान पूजन का आयोजन हुआ। प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि गुरुवार को प्रातः मन्दिर जी में सहस्त्र कूट जिनालय के समक्ष भगवान के सहस्त्र नाम के विधान मण्डल पर आर्यिका श्री द्वारा मन्त्र युक्त अर्घ उच्चारित किए गए तथा श्रेष्ठियों ने स्वाहा बोलते हुए अर्घ्य समर्पित किए। मण्डल पर दस वलय पर प्रत्येक में एक सो नाम के अर्घ्य विधि पूर्वक समर्पित किए गए। विधान ब्र० दीदी सविता के सहयोग से संपन्न हुआ जिसमे कमलेश पाटनी, महावीर कोठारी , जे के जैन, प्रकाश गंगवाल, सोभाग अजमेरा, डा. इंद्र कुमार , अलका सेठी, सुशीला, वर्षासेठी, रूबल, दीपा पाटनी आदि की सहभागिता रही। शाम को आर्यिका श्री द्वारा भक्तामर दीप अर्चना करायी गई ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

हरीपर्वत जैन मंदिर में हुआ वार्षिक कलशाभिषेक महोत्सव का आयोजन

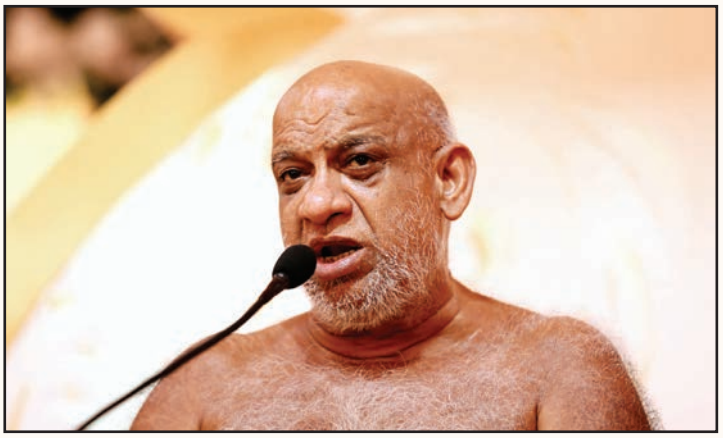

आगरा. शाबाश इंडिया। 19 अक्टूबर को निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री गम्भीर सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में वार्षिक कलशाभिषेक महोत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। श्री दिगम्बर जैन शिक्षा समिति के तत्वावधान में आयोजित हुए महोत्सव का शुभारंभ भक्तों ने पंचकल्याणक पूजन के साथ किया। पूजन में मौजूद सभी भक्तों ने शशि जैन एवं ख्याति जैन,संस्कृति जैन के मधुर भजनों पर श्रीजी के प्रति सुन्दर नृत्य किया। इसके बाद भक्तों ने पंडित जिनेन्द्र जैन शास्त्री जी के कुशल निर्देशन में श्रीजी की प्रतिमा को पाण्डुक शिला पर विराजमान कर स्वर्ण कलशों से अभिषेक किया। इस अवसर पर मनोज जैन बाकलीवाल संदीप बाकलीवाल,पवन बड़जात्या, प्रदीप जैन पीएसी,जगदीश प्रसाद जैन,राजेश बैनाड़ा,अनंत कुमार जैन,जितेंद्र जैन,अक्षय जैन,राकेश जैन पार्षद राकेश जैन पदेवाले,हीरालाल बैनाड़ा,पन्नालाल बैनाड़ा,निर्मल मौठया राजेश सेठी,नरेश जैन,अनिल जैन, महेश जैन,समकित जैन,पंकज जैन, अंकेश जैन,शुभम जैन समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

सौधर्म इन्द्र का दरबार समवशरण में सजकर तैयार हुआ

आज निकाली जाएगी चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा

पहले लक्ष्य निर्धारित करें लक्ष्य के बिना कदम बाहर ना निकालें: आचार्य श्री

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

श्री समवशरण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में आज रात्रि में सौधर्म इन्द्र का दरबार सजा जहां भगवान को केवल ज्ञान की प्राप्ति होने पर सौधर्म इन्द्र का सिंहासन हिल उठता है तब सौधर्म इन्द्र सात कदम चलकर प्रभु को नमस्कार करते हुए कुबेर को समवशरण बनाने की आज्ञा देता है तब अशोक नगर में कुबेर समवशरण की रचना करता है। इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि सौधर्म इन्द्र के रूप में राकेश अमरोद महामंत्री जैन समाज को सौभाग्य मिला है। कल चक्रवर्ती का दरबार लगेगा जिसमें राज्य व्यवस्था के साथ चक्र रत्न की उत्पत्ति पुत्र प्राप्ति के साथ ही भगवान को केवल ज्ञान की सूचना दूत दारा दी जाती है। जिस पर चक्रवर्ती प्रभु चरणों में उपस्थित होने का आदेश देता है इसका मंचन आज हम देखेंगे। इसके पूर्व आज प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस मुकेश भइया के मंत्रोच्चार के साथ जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा हुई जिसमें चक्रवर्ती धर्मेन्द्र रोकड़िया सौधर्म इन्द्र राकेश अमरोद कुबेर इन्द्र सतीश राजपुर महायज्ञ नायक संजीव श्रागर बहुवलि मनोज रन्नौद सहित सभी इन्द्रो ने सौभाग्य प्राप्त किया। इसके बाद भगवान की महा आराधना भक्तिभाव से की गई । इस दौरान तमिलनाडु से पधारे भक्तो व कोलारस संजय भोपाल मुंगावली सहित अन्य के भक्तों ने श्री फल भेंट किए। 20 तारीख को भरत चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा प्रातः साढ़े आठ बजे सुभाषगंज मैदान से शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर धर्म सभा में बदल जायेंगी जहां आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज धर्म सभा को सम्बोधित करेंगे। धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने कहा कि श्रावक श्रेष्ठी के रूप में चक्रवर्ती प्रभु के चरणों में बैठकर प्रश्न करते हैं कि हमारा कुल कितना महान है इस कुल तीर्थंकर चक्रवर्ती महापुरुषों हुए लेकिन ऐसे कुल में कुछ बेटे अभी तक नहीं बोले तो क्या ये गुगे बहरे है तव भगवान की वाणी में आया ब्रसभसेन गणधर ने समझाया कि ऐसे महान कुल में कोई गुगा बहरा नहीं हो सकता ये सीधे भगवान से वोलेगे मुनि महाराज बनेगे। रत्नात्रय धर्म है उक्त आश्य के उद्गार सुभाष गंज मैदान में समवशरण की विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जवसागर जीमहाराज ने व्यक्त किए।

महानगर बी ने कीर्ति बी को हराया। एकांश जैन मेन ऑफ द मैच बने उनको शाबाश इंडिया के प्रधान संपादक राकेश गोदिका ने ट्राफी देकर पुरस्कृत किया

जैन सोश्यल ग्रूप्स जैन एकर्स-जेएसजी क्रिकेट प्रीमीयर लीग

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजीआईएफ नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में एस जे पब्लिक स्कूल जयपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट 08 अक्टूबर, 23 से निरन्तर चल रहे टूर्नामेंट के होस्ट ग्रुप जेएसजी यूनिवर्स है। एवं को-होस्ट ग्रुप जेएसजी वीनस हैं। क्रिकेट टूर्नामेंट के मुख्य सलाहकार राकेश जैन एवं मुख्य समन्वयक महेन्द्र गिरधरवाल ने बताया इस डे-नाईट क्रिकेट प्रीमियर लीग में रिकॉर्ड 108 टीमें और लगभग 1186 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिनमें पुरुष और महिलाएं दोनों की भागीदारी हैं। इस विशाल क्रिकेट टूर्नामेंट में विश्व की सबसे बड़ी ट्रॉफी और एक साथ 1186 खिलाडी एक साथ खेलने का विश्व -रिकॉर्ड बनने की पूरी-पूरी सभावना है, जिसे 22 अक्टूबर को समापन के दिन एक बड़े महोत्सव के रूप में बनाया जाएगा। अंकित जैन ने बताया कि अब तक ऑवर आर्म और अंडर आर्म क्रिकेट मैच में लगभग 187 मैच पूर्ण हो चुके हैं । रीजन चैयरमेन महेन्द्र सिंघवी ने बताया कि क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान प्रतिदिन लक्की ड्रॉ द्वारा 9 गिफ्ट दी जा रही है, जिसकी सभी ग्रुप्स द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की जा रही है। रीजन के सचिव सिद्धर्थ जैन ने बताया कि प्रथम एरीना में अंडरआर्म के एक रोचक मैच में टीम जेएसजी वीनस -ए ने पहले बल्लेबाजी कर 76 रन बनाए एवं टीम जेएसजी रॉयल-यी ने 67 रन बनाए विजेता जेएसजी वीनस-ए टीम रही जिसमें सिद्धार्थ फोफलीया मैन ऑफ द मैच रहे। एरीना-2 के कॉडीर्नेटर नीलेश जैन ने बताया कि जेएसजी नॉर्थ को जेएसजी स्पार्कल -डी ने हराया और वैभव जैन मैन ऑफ द मैच रहे। रीजन के संयुक्त सचिव डॉ. राजीव जैन ने बताया कि ऑवरआर्म के एक रोमांचक मैच में टीम जेएसजी स्पार्कल-व्यावर ने टीम जेएसजी स्कॉर्पियों को हराया। एक अन्य मैच में जेएसजी महानगर ने जेएसजी कीर्ति को 6विकेट से हराया। एकांश जैन अपने आल राउंडर गेम के कारण मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्राप्त किया। होस्ट ग्रुप के अध्यक्ष दीक्षान्त हाड़ा कि ऑवर आर्म के मैचों में सेमी फाईनल और फाईनल के मैचों में ओवर की सीमा बढ़ाई जायेगी। रीजन के वाइस चेयरमैन रविन्द्र बिलाला एवं माणक मेहता ने बताया टूर्नामेंट में सभी खिलाडियों एवं मेहमानों के लिए बहुत ही लजीज व्यंजनों एवं खाने की सम्पूर्ण व्यवस्था की गई है।

आज स्कार्पियो ने किया जबरदस्त धमाका

स्कार्पियो जिससे पिछले साल फाइनल में हारी थी आज उसको क्वार्टर फाइनल से बाहर कर दिया। एमराल्ड ने पहले बैटिंग करते हुए मात्र 64 रन बनाए, जिसके जवाब में स्कॉर्पियो ने मात्र दो विकेट खोकर 65 रन बना लिए। मैन ऑफ द मैच, स्कॉर्पियो से हिमांशु जैन रहे जिन्होंने तीन विकेट में 22 रन बनाए, मैन ऑफ द मैच का अवार्ड नॉर्दर्न रीजन के अध्यक्ष श्री महेंद्र जी सिंघवी व महेंद्र जी गिरधरवाल ने दिया।